भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 03 नवंबर, 2026
जारी करने का समय:1335 घंटे

विषय: (i) दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर बना प्रचण्ड चक्रवाती तूफान "मुरासु" उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ने की संभावना है। आज, 3 नवंबर 2026 को दोपहर तक यह कमजोर होकर एक चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा और आधी रात तक एक गहन अवदाब में तब्दील हो जाएगा।
(ii) इस प्रणाली के प्रभाव के कारण, 3 नवंबर 2026 को तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और उससे सटे तेलंगाना के कुछ इलाकों में अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, 4 नवंबर 2026 को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम के कुछ हिस्सों में बहुत भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा, 3 नवंबर को रायलसीमा और दक्षिण ओडिशा में, तथा 3 और 4 नवंबर को दक्षिण छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है।

आज, 03 नवंबर, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में दर्ज किया गया मौसम:

- तटीय आंध्र प्रदेश में अत्यधिक भारी बारिश (12-21 सेमी) दर्ज की गई है|
- तमिलनाडु में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है|

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक I और II):

- पश्चिम-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में मौजूद प्रचण्ड चक्रवाती तूफान "मुरासु" ने, 3 नवंबर 2026 को सुबह 03:30 से 05:30 बजे (IST) के बीच, ओंगोल के पास (लगभग 15.53°N अक्षांश और 80.22°E देशांतर पर) दक्षिण आंध्र प्रदेश के तट को पार किया। इस दौरान हवा की गति 100-110 किमी प्रति घंटा थी, जो झोंकों के साथ 120 किमी प्रति घंटा तक पहुंच रही थी। आज, 3 नवंबर 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) यह तूफान दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र में, लगभग 15.7°N अक्षांश और 80.2°E देशांतर पर स्थित था। यह ओंगोल से लगभग 30 किमी उत्तर-उत्तर-पूर्व, बापटला से 40 किमी दक्षिण-पश्चिम और कावली से 90 किमी उत्तर-उत्तर-पूर्व में था। इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और धीरे-धीरे कमजोर होकर चक्रवाती तूफान (हवा की गति 80-90 किमी प्रति घंटा, झोंकों के साथ 100 किमी प्रति घंटा तक) में बदलने की संभावना है। इसके बाद, आज 3 नवंबर 2026 की मध्यरात्रि तक इसके और कमजोर होकर गहन अवदाब हवा की गति 55-65 किमी प्रति घंटा, झोंकों के साथ 75 किमी प्रति घंटा तक) में बदलने का अनुमान है।
- निचले वायुमंडल में लक्षद्वीप और उसके आसपास एक चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) मौजूद है।
- निचले वायुमंडल में तटीय कर्नाटक के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- निचले वायुमंडल में दक्षिण तमिलनाडु के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 5 से 8 नवंबर के बीच; केरल और माहे में 4 से 8 नवंबर के बीच; लक्षद्वीप में 3 नवंबर को और 7 से 9 नवंबर के बीच; दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 4 से 5 नवंबर के बीच; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 3 से 4 नवंबर के बीच; तथा रायलसीमा और तेलंगाना में 3 नवंबर को काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।

- तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 3 से 4 नवंबर और 9 नवंबर को; केरल और माहे में 3 नवंबर और 9 नवंबर को; लक्षद्वीप में 4 से 6 नवंबर के बीच; तटीय कर्नाटक में 3 से 9 नवंबर के बीच; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 3 से 6 नवंबर के बीच; दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 3 नवंबर को और 6 से 9 नवंबर के बीच; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 5 से 9 नवंबर के बीच; रायलसीमा में 4 से 9 नवंबर के बीच; तथा तेलंगाना में 4 से 7 नवंबर के बीच कहीं-कहीं (छिटपुट) बारिश होने की संभावना है।
- 3 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (80-90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) चलने की संभावना है। इसके अलावा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 3 से 7 नवंबर के बीच; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 4 नवंबर को; तथा रायलसीमा में 4 से 5 नवंबर के बीच तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है। साथ ही, केरल और माहे में 3 से 4 नवंबर और 6 से 8 नवंबर के बीच; लक्षद्वीप में 3 नवंबर और 5 नवंबर को; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 3 नवंबर को; और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 3 से 5 नवंबर के बीच तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 5 से 7 नवंबर के बीच; रायलसीमा में 6 से 7 नवंबर के बीच।
- 3 से 5 नवंबर के बीच तटीय कर्नाटक में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 3 से 8 नवंबर के बीच केरल, माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 4 से 5 नवंबर के बीच दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 3 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में; 3 से 4 नवंबर के बीच तेलंगाना में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 4 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।
- 3 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और तेलंगाना में कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।
- 3 नवंबर को रायलसीमा में आंधी-तूफान (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटा, जो 80 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) आने की संभावना है।
- 3 से 7 नवंबर के बीच तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।

मध्य भारत:

- 4 से 5 नवंबर के बीच छत्तीसगढ़ में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 3 से 4 नवंबर के बीच छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (गति 40-50 किमी प्रति घंटा, जो 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- 3 से 4 नवंबर के बीच पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 3 नवंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 3 से 4 नवंबर के बीच पूर्वी मध्य प्रदेश में; 3 से 5 नवंबर के बीच विदर्भ में; और 3 नवंबर तथा 6 से 7 नवंबर के बीच छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 3 से 4 नवंबर के बीच छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- 3 से 4 नवंबर के बीच ओडिशा में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है। 3-4 नवंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- 3-9 नवंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 3 नवंबर को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल व सिक्किम में; 3-4 नवंबर के दौरान झारखंड में; और 5-7 नवंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- 3 नवंबर को ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम, पश्चिम और पूर्वोत्तर भारत:

- इस सप्ताह उत्तर-पश्चिम, पश्चिम और पूर्वोत्तर भारत में मौसम में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

हवा संबंधी चेतावनी:

❖ पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी:

यहाँ अभी 95-105 किमी/घंटा की गति से तेज हवाएं चल रही हैं, जिनके झोंके 115 किमी/घंटा तक पहुँच सकते हैं। ये हवाएं धीरे-धीरे कम होंगी; 3 तारीख की शाम तक इनकी गति 65-75 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 85 किमी/घंटा) रह जाएगी, और 4 तारीख की सुबह तक 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा) हो जाएगी, जिसके बाद स्थिति में सुधार आएगा।

❖ दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी के तटीय क्षेत्रों में:

3 नवंबर की दोपहर तक 50-60 किमी/घंटा की गति से तेज हवाएं चलेंगी, जिनके झोंके 70 किमी/घंटा तक पहुँच सकते हैं। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम होगी; 3 नवंबर की शाम तक यह 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा) रह जाएगी और फिर और कम हो जाएगी।

❖ तटीय आंध्र प्रदेश (कृष्णा, बापटला, प्रकाशम, एसपीएसआर नेल्लोर, गुंटूर, एलुरु, एनटीआर, पलनाडु और पश्चिम गोदावरी जिले):

यहाँ अभी 95-105 किमी/घंटा की गति से तेज हवाएं चल रही हैं, जिनके झोंके 115 किमी/घंटा तक पहुँच सकते हैं। ये हवाएं धीरे-धीरे कम होंगी; 3 नवंबर की दोपहर तक इनकी गति 85-95 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 105 किमी/घंटा) रह जाएगी। 3 नवंबर की आधी रात तक हवा की गति 55-65 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 75 किमी/घंटा) हो जाएगी और इसके बाद और कम हो जाएगी।

❖ उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और दक्षिण ओडिशा तट से सटे इलाके (मलकानगिरी, कोरापुट, रायगडा, गजपति और गंजाम जिले):

3 नवंबर की शाम तक यहाँ तेज हवाओं (50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) के साथ खराब मौसम रहने की संभावना है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी। तेलंगाना (खम्मम, सूर्यपेट, नलगोंडा, नागरकुर्नूल, वनपर्थी, महबूबाबाद, वारंगल, जनगांव, करीमनगर और भद्राद्री कोठागुडेम) और रायलसीमा (चित्तूर और तिरुपति)

3 नवंबर की दोपहर तक 70-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी, जो कभी-कभी 90 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम होगी और आज, 3 नवंबर 2026 की आधी रात तक यह 50-60 किमी प्रति घंटे (झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटे तक) रह जाएगी।

समुद्र की स्थिति:

❖ पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और आंध्र प्रदेश के तट के पास:

3 नवंबर की शाम तक समुद्र में बहुत ऊंची लहरें (Very High Sea to High Sea) उठेंगी। इसके बाद स्थिति में सुधार होना शुरू होगा; 4 नवंबर की सुबह तक समुद्र की स्थिति 'बहुत खराब' (Very Rough) से 'खराब' (Rough) हो जाएगी और उसके बाद इसमें और सुधार होगा।

❖ दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी के तटों के पास:

3 नवंबर की शाम तक समुद्र की स्थिति 'बहुत खराब' (Very Rough) से 'खराब' (Rough) रहेगी।

❖ उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से सटे इलाके और दक्षिणी ओडिशा के तट के पास:

3 नवंबर की शाम तक समुद्र की स्थिति 'बहुत खराब' (Very Rough) से 'खराब' (Rough) रहेगी और उसके बाद इसमें सुधार होगा।

स्टॉर्म सर्ज (तूफानी लहरों) की चेतावनी: (अनुलग्नक III)

खगोलीय ज्वार (astronomical tides) के स्तर से लगभग 0.5-1.0 मीटर ऊंची तूफानी लहरें (storm surge) दोपहर तक जारी रहने की संभावना है, जिसके बाद धीरे-धीरे इनका स्तर कम हो जाएगा।

मछुआरों के लिए चेतावनी: (अनुलग्नक IV)

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे इन इलाकों में न जाएं:

- 4 नवंबर की सुबह तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और आंध्र प्रदेश के तट के पास।
- 3 नवंबर की शाम तक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी के तटों के पास।
- 3 नवंबर की शाम तक उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से सटे इलाकों और दक्षिणी ओडिशा के तट के पास।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक V देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php
मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

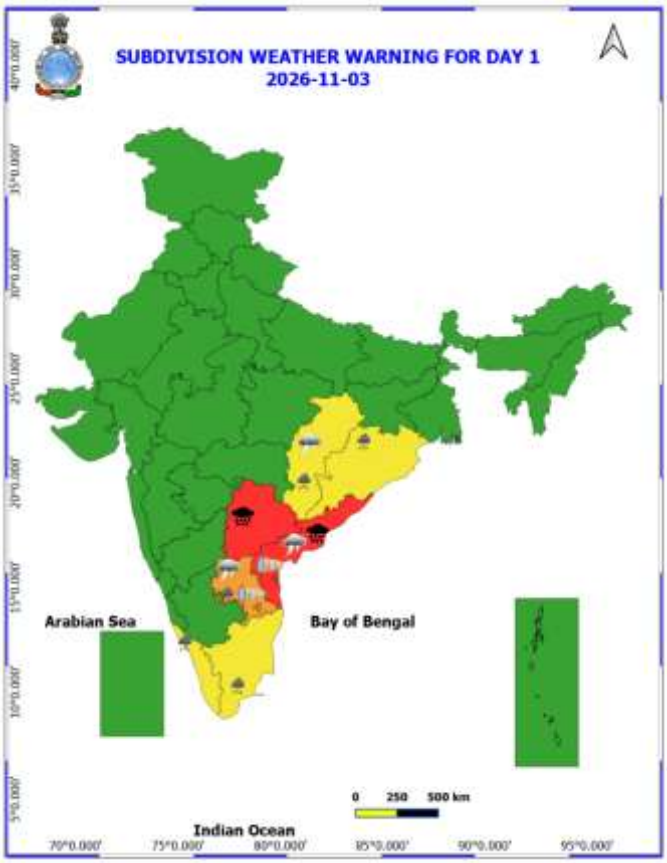
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 cm) (कल 0830 बजे IST से आज 0830 बजे IST तक अलग-अलग मौसम विभाग में) दर्ज की गई:

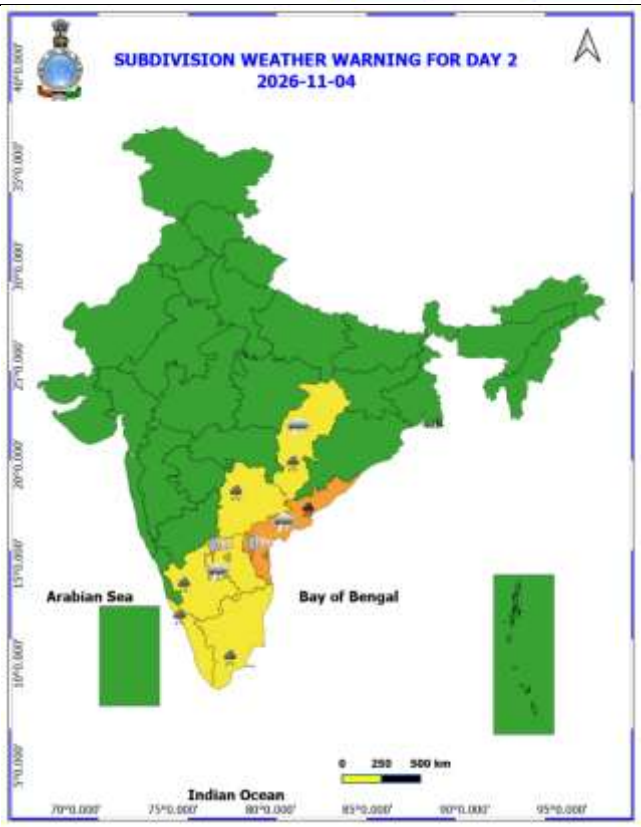
- तटीय आंध्र प्रदेश और यानम: बापटला 22
- तमिलनाडु: कुड्डालोर (कुड्डालोर एआरजी) 9|

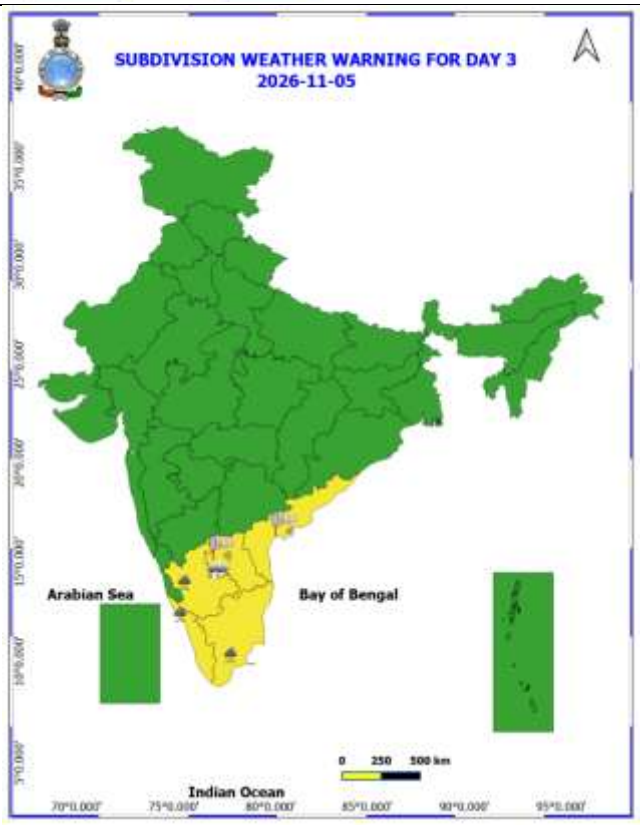
अनुलग्नक ।

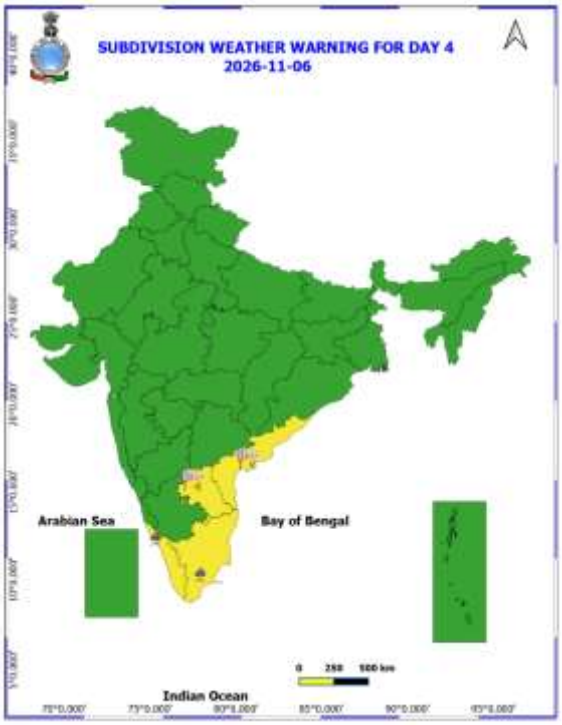
Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	3- Nov	4- Nov	5- Nov	6- Nov	7- Nov	8- Nov	9- Nov
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	SCT	FWS	FWS	ISOL	ISOL	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
36	LAKSHADWEEP	WS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS

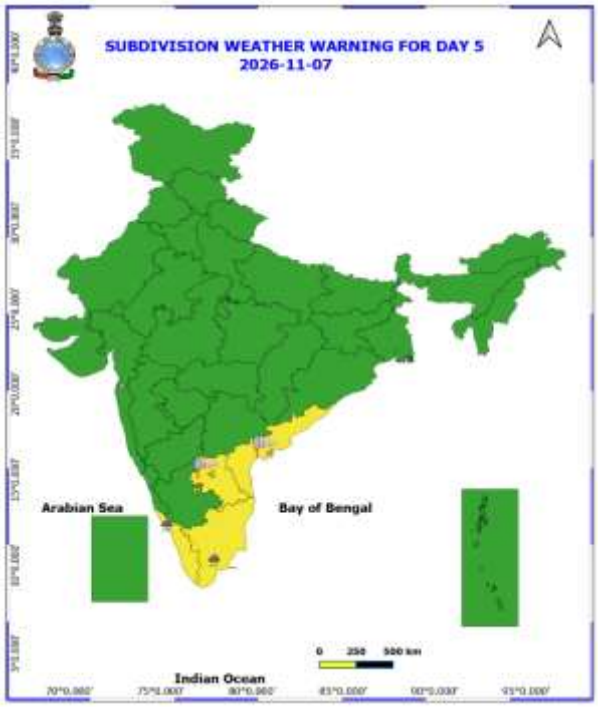
- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

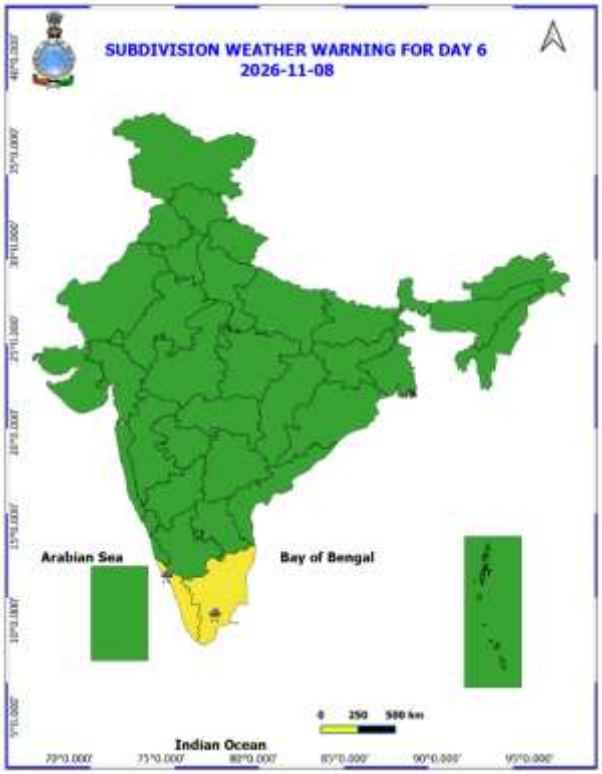

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-11-03
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

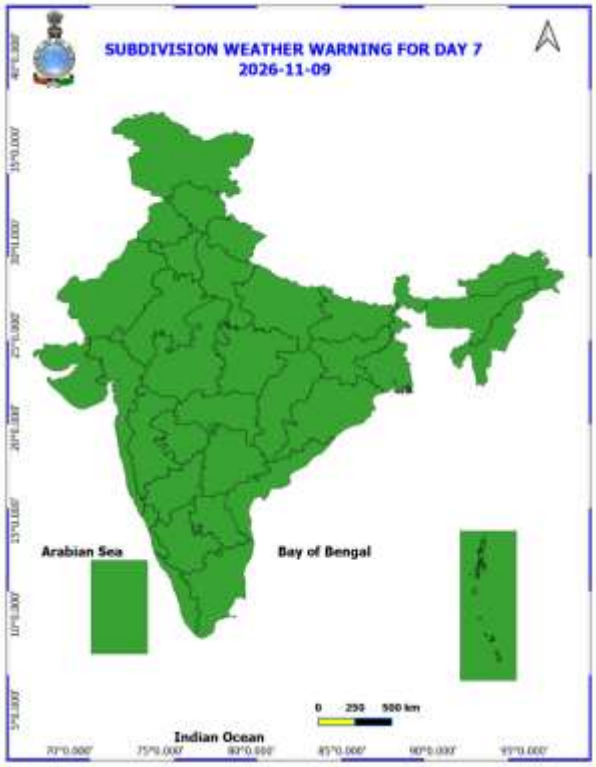

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-11-04
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km


SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-11-05
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km









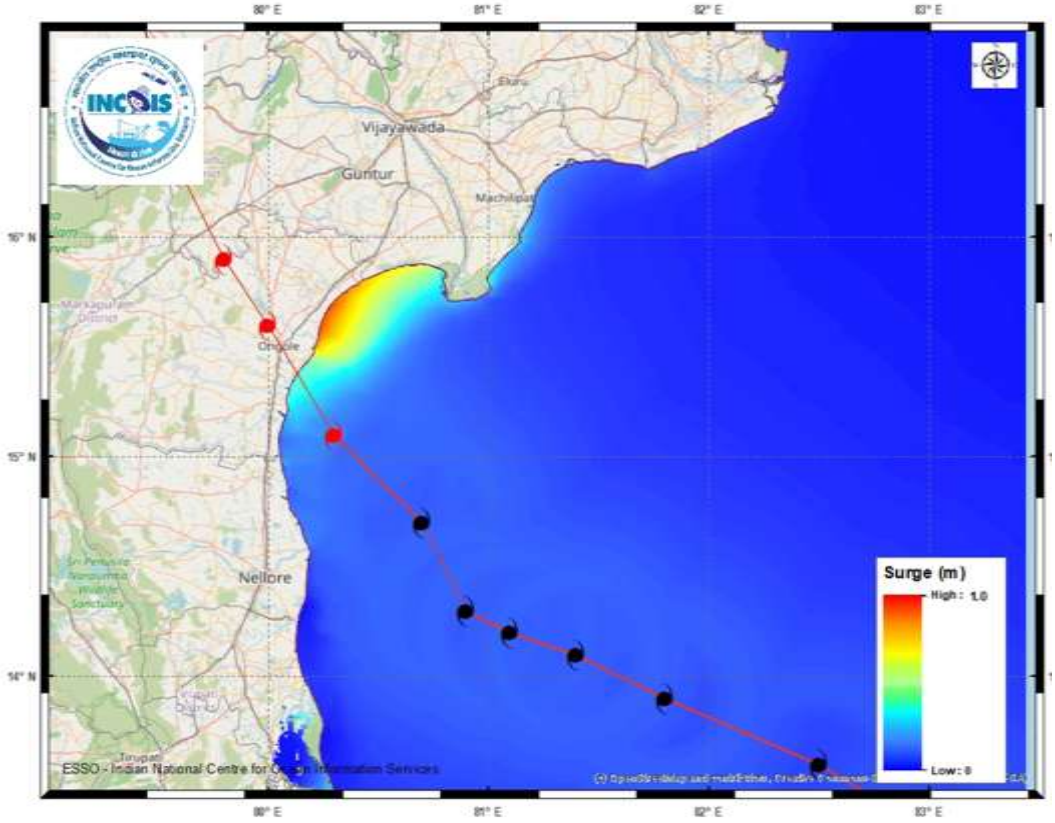
/

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

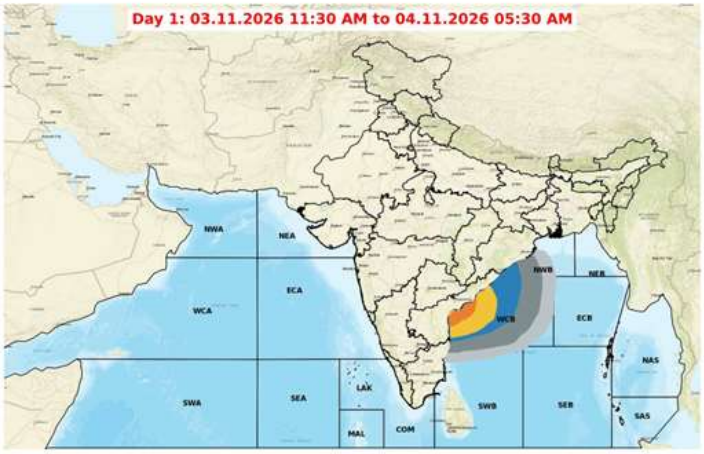
अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

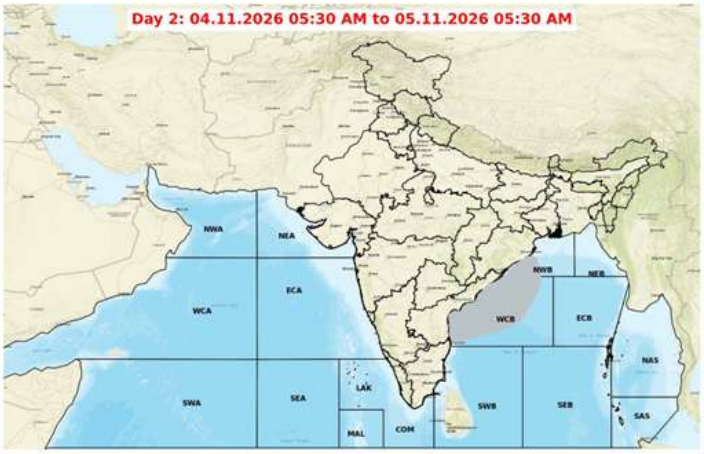
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III


80° E
81° E
82° E
83° E
16° N
15° N
14° N
Vijayawada
Guntur
Machilipatnam
Ongole
Nellore
Surge (m)
High : 1.0
Low : 0
ESSO - Indian National Centre for Ocean Information Services

Fishermen Warning Graphics











Legend

	Squally Weather with wind speed 35-45 kmph gusting to 55 kmph
	Squally wind with speed 45-55 kmph gusting to 65 kmph
	Deep depression with wind speed 50-60 kmph gusting to 70 kmph
	CS with Gale winds with speed 60-90 kmph gusting to 90 kmph
	SCS with Gale wind speed 90-110 kmph gusting to 120 kmph

Fishermen are advised not to venture into the marked areas.

अनुलग्नक V

03 नवंबर से 06 नवंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

03 नवंबर से 06 नवंबर 2026 तक दिल्ली/NCR के लिए मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है। इस दौरान अधिकतम तापमान 27-29°C और न्यूनतम तापमान 16-17°C के बीच दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटों में, दिल्ली के कुछ हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा, जबकि बाकी हिस्सों में यह सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान की बात करें तो, कुछ जगहों पर यह सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहा, कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहा, और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। सफदरजंग हवाई अड्डे पर हल्का कोहरा देखा गया। यहाँ सुबह 06:30 से 08:30 IST के बीच सबसे कम दृश्यता (visibility) 900 मीटर दर्ज की गई, जो आज, 03.11.2026 को सुबह 09:00 IST तक धीरे-धीरे सुधरकर 1200 मीटर हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और पश्चिमी दिशा से 15 किमी/घंटा तक की गति से हवाएं चलीं। आज सुबह के समय भी आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 किमी/घंटा तक की गति से हवाएं चलीं।

मौसम का पूर्वानुमान:

03.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 28-30°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.5°C से -3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति 20 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय, उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली सतही हवा की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटा तक रह जाएगी।

04.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय धुंध (mist) छा सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 27°C से 29°C और न्यूनतम तापमान 14°C से 16°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहने की उम्मीद है। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलेगी, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा तक पहुंच जाएगी। शाम और रात के समय, उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटा तक रह जाएगी।

05.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 28°C से 30°C और न्यूनतम तापमान 15°C से 17°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहने की उम्मीद है। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलेगी, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 12 किमी प्रति घंटा तक पहुंच जाएगी। शाम और रात के समय, उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटा तक रह जाएगी।

06.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 28°C से 30°C और न्यूनतम तापमान 15°C से 17°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहने के आसार हैं। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली इन हवाओं की गति बढ़कर 20 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय इन हवाओं की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटा तक रह सकती है।

अत्यधिक/ बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- 3 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा तेलंगाना में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- 4 नवंबर को भी तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- पेड़ों की टहनियाँ टूट सकती हैं और केले, पपीते, सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- छोटे जहाज़, ट्रॉलर और नावें प्रभावित हो सकती हैं।
- भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- हेलीकॉप्टर सेवाएँ प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकलें और बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- तट के पास और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

भारी बारिश की संभावना को देखते हुए कृषि-मौसम सलाह

- तटीय आंध्र प्रदेश में, धान, मूंगफली, कपास, अरहर, गन्ना, मक्का, सब्जियों, केले और पपीते के खेतों में जलभराव को रोकने के लिए पानी की निकासी (ड्रेनेज) का उचित प्रबंध करें। बारिश रुकने के बाद, गिरे हुए धान और सब्जियों के पौधों को सीधा करें; गन्ने की फसल अगर गिर गई है, तो उसे सीधा करके बांध दें। रबी मक्का, मूंग, उड़द, कुलथी और सनई की बुवाई तब तक न करें, जब तक कि मिट्टी में नमी का स्तर सही न हो जाए। केले और पपीते के पौधों को सहारा दें, और छोटी सब्जियों व पौधों को खूंटे (स्टेक) लगाकर सहारा दें।
- रायलसीमा में, खड़ी फसलों के खेतों से पानी की निकासी का उचित प्रबंध करें। बारिश के दौरान सिंचाई न करें, खाद न डालें और कीटनाशकों का छिड़काव भी टाल दें।
- तेलंगाना में, धान, मक्का, कपास, फलों और सब्जियों के उन खेतों से पानी की निकासी का पूरा प्रबंध करें, जिनकी अभी कटाई नहीं हुई है। धान, मक्का, कपास, फलों और सब्जियों की तैयार फसलों की कटाई अभी न करें, और जो फसलें पहले ही काटी जा चुकी हैं, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर रख दें।
- तमिलनाडु में, धान, मक्का और कैसुरीना (casuarina) के खेतों से पानी की निकासी का उचित प्रबंध करें और अतिरिक्त पानी को बाहर निकाल दें। केले के पौधों को सहारा दें। गन्ने के खेतों में जड़ों के पास पानी जमा न होने पाए, इसके लिए तुरंत जल निकासी के रास्ते (नालियां) खोल दें। काटी गई फसलों को सुरक्षित और ढकी हुई जगहों पर रखें।
- ओडिशा में, धान, मक्का, मूंगफली, दालों, कपास, गन्ने, सब्जियों और फलों के बागों से पानी की निकासी का उचित प्रबंध करें, खासकर निचले इलाकों वाले खेतों में। अगर धान की फसल गिर गई है, तो उसकी बालियों को बांधकर गुच्छे बना लें और पानी कम होने पर उन्हें सीधा खड़ा कर दें। केले और पपीते के पौधों को सहारा दें, गन्ने को गिरने से बचाने के लिए टेक लगाएं, और सब्जियों व फलों के छोटे पौधों को खूंटे लगाकर सहारा दें।

- ❖ छत्तीसगढ़ में, तैयार धान, मूंगफली, तिल, सब्जियों, और जिन खेतों में मक्का व दालों की कटाई नहीं हुई है, वहां जलभराव रोकने के लिए पानी की निकासी का पूरा प्रबंध करें। काटी गई फसलों को सुरक्षित और ढकी हुई जगहों पर रखें। फलों और सब्जियों की नर्सरी को पॉलीथीन शीट या तिरपाल से ढक दें। बेल वाली फसलों को सहारा दें और छोटे पौधों को भी खूंटे लगाकर सहारा दें।
- ❖ केरल में, खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी की निकासी का उचित प्रबंध करें। रबी धान की रोपाई तभी करें जब खेत की स्थिति इसके अनुकूल हो। केले की रोपाई के लिए ऐसे गड्ढे तैयार करें जिनमें पानी न रुके। केले और पपीते के पौधों को सहारा दें; जहां जरूरत हो, वहां छोटे पौधों और सब्जियों को खूंटे लगाकर सहारा दें, ताकि तेज हवाओं से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में, धान, अदरक और अन्य खड़ी फसलों के खेतों में पानी की निकासी का उचित प्रबंध रखें। जहाँ भी संभव हो, तैयार फसल की तुरंत कटाई कर लें और काटी गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचा दें। केले और पपीते के बागानों को यांत्रिक सहारा दें, और तेज़ हवाओं वाले इलाकों में छोटे पौधों और सब्जियों को खंभों या डंडों के सहारे टिका दें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि-मौसम सलाह

- ❖ कटी हुई फ़सल को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। तेज़ ज़मीनी हवाओं से फ़सल के उड़ने या बिखरने के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फ़सल को मज़बूती से बांधें और ढककर रखें।
- ❖ तेज़ हवाओं के कारण फ़सल को गिरने से बचाने के लिए बागवानी फ़सलों को यांत्रिक सहारा दें और सब्ज़ियों व छोटे फलों के पौधों को सहारा (स्टेकिंग) दें।

पशुधन / पोल्ट्री / मत्स्य पालन पर भारी बारिश के संभावित असर के लिए सलाह

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ तालाबों के चारों ओर जाली के साथ पानी निकालने का रास्ता (आउटलेट) बनाएं ताकि अतिरिक्त पानी निकल सके और पानी ओवरफ़्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल पाएं।

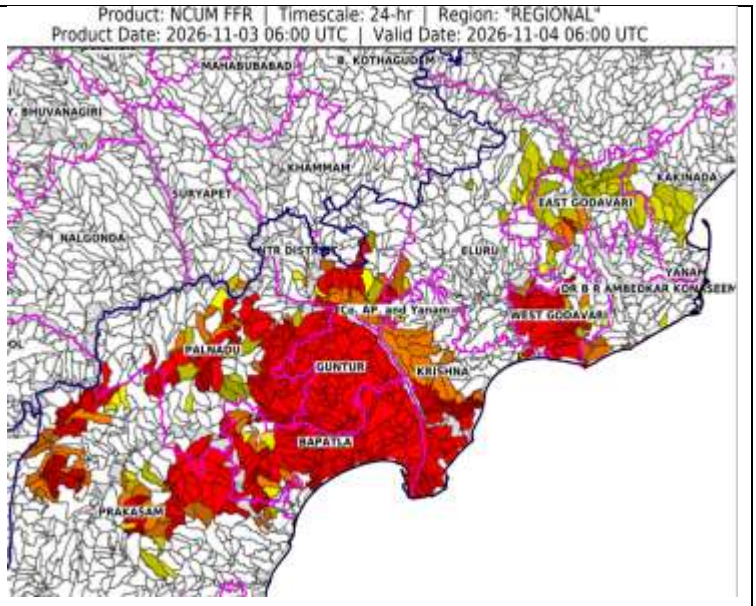
अचानक आई बाढ़ के लिए मार्गदर्शन:

04-11-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) का जोखिम:

गंभीर चक्रवाती तूफान "मुरासु" (Murasu) के प्रभाव के कारण, अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम उप-मंडलों (Met Sub-divisions) के कुछ जल-ग्रहण क्षेत्रों (watersheds) और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ आने का मध्यम जोखिम है।

तटीय आंध्र प्रदेश और यनम: प्रकाशम, पलनाडु, बापटला, गुंटूर, कृष्णा, एनटीआर (NTR) जिला, एलुरु, पूर्वी गोदावरी, पश्चिमी गोदावरी, डॉ. बी.आर. अंबेडकर कोनासीमा और काकीनाडा जिले।

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंताजनक क्षेत्रों' (Area of Concern - AoC) में, जहां की मिट्टी पहले से ही पूरी तरह संतृप्त (saturated) है या जो निचले इलाके हैं, वहां सतह पर पानी बहने (surface runoff) या जलभराव (inundation) की स्थिति बन सकती है।



संकेत और संक्षिप्त नाम:

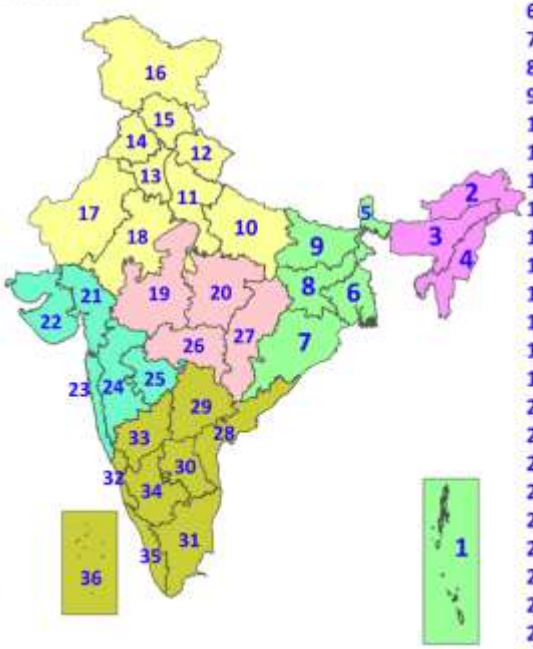
- भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।
- Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: ज़िला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	**Heavy:** 64.5 to 115.5 mm/cm * **Very Heavy:** 115.6 to 204.4 mm/cm* **Extremely Heavy:** > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	**When maximum temperature of a station reaches ≥40° C for plains and ≥30° C for hilly regions** **(a) Based on Departure from normal** **Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal 4.5° C to 6.4° C. **Severe Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal ≥6.5° C **(b). Based on Actual maximum temperature** **Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥45°C. **Severe Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥47°C **(c). Criteria for heat wave for coastal stations** When maximum temperature departure is >4.5°C from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature ≥37°C
Warm Night	**When maximum temperature remains 40°C** **Warm Night:** When minimum temperature departure 4.5 °C to 6.4 °C. **Severe Warm Night:** When minimum temperature departure >6.4 °C.
Cold Wave	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions.** **(a). Based on departure** **Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C **(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)** **Cold Wave :** When Minimum Temperature is ≤ 4.0 °C **Severe Cold Wave:** When Minimum Temperature is ≤ 2.0 °C **(c) For Coastal Stations** When Minimum Temperature departure is ≤-4.5 °C & actual Minimum Temperature is ≤ 15 °C
Cold Day	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions** **Based on departure** **Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C
Fog	**Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility < 1km** **Moderate Fog:** When the visibility between 500-200 metres **Dense Fog:** when the visibility between 50- 200 metres **Very Dense Fog:** when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	**Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)**
Dust/Sand Storm	**An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.**
Frost	**Ice deposits on ground** Air temperature ≤4°C (over Plains)
Squall	**A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.** **Moderate**: Wind speed 52-61 kmph **Severe**: Wind speed 62-87 kmph **Very Severe**: Wind speed >87 kmph
Sea State	**Effect of various waves in the sea over specific area** **Rough to very rough**: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre **High to very high**: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre **Phenomenal**: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre
Cyclone	**Cyclonic Storm**: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) **Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) **Very Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) **Extremely Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) **Super Cyclone Strom**: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)